UP Board Class 10th Elementary Hindi-802 - 2023 Question Paper

Time Allowed :3 Hours 15 minutes	**Maximum Marks :**70	**Total Questions :**28

General Instructions

Read the following instructions very carefully and strictly follow them:

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. इस प्रश्नपत्र के दो खण्ड, खण्ड अ तथा खण्ड - ब हैं।
3. खण्ड -अ में 1 अंक के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर देने हैं।
4. खण्ड - अ के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर ही उत्तर चिह्नित करें। ओ० एम० आर० उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा इरेजर अथवा ह्वाइटनर का प्रयोग न करें।
5. प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं।
6. खण्ड ब में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं।
7. खण्ड - ब में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें।
8. प्रथम प्रश्न से आरम्भ कीजिए तथा अन्तिम प्रश्न तक करते जाइए। जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए।

1. 'कंकाल' किस विधा की रचना है ?
(1) नाटक
(2) आत्मकथा
(3) उपन्यास
(4) रेखाचित्र

---

2. 'वैशाली में वसन्त' किसका नाटक है ?
(1) उपेन्द्रनाथ अश्क
(2) जयशंकर प्रसाद
(3) सेठ गोविन्द दास
(4) लक्ष्मी नारायण मिश्र

---

3. जयशंकर प्रसाद किस युग के लेखक हैं ?
(1) भारतेन्दु-युग
(2) शुक्ल-युग
(3) द्विवेदी-युग

(4) छायावाद-युग

---

4. ऐतिहासिक उपन्यासकार है—
(1) मुंशी प्रेमचन्द
(2) जैनेंद्र
(3) वृन्दावनलाल वर्मा
(4) फणीश्वर नाथ 'रेणु'

---

5. शुक्लोत्तर-युग की समयावधि है—
(1) सन 1918 से 1936 तक
(2) सन 1843 से 1900 तक
(3) सन 1900 से 1918 तक
(4) इनमें से कोई नहीं

6. 'आश्रयदाताओं की प्रशंसा' निम्न में से किस काल/वाद की विशेषता रही है ?
(1) रीतिवाद की
(2) छायावाद की
(3) अतिक्रियावाद की
(4) प्रगतिवाद की

---

7. सुमित्रानंदन पंत किस युग के प्रमुख कवि हैं ?
(1) प्रयोगवाद
(2) प्रगतिवाद
(3) छायावाद
(4) नई कविता

---

8. खड़ी बोली के प्रथम महाकाव्य के रचयिता हैं—
(1) जयशंकर प्रसाद
(2) मैथिलीशरण गुप्त
(3) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(4) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

---

9. 'राम की शक्ति-पूजा' किसकी रचना है ?
(1) मैथिलीशरण गुप्त
(2) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(3) महादेवी वर्मा
(4) सुमित्रानंदन पंत

10. 'गाँव के पार धुआँ' किसके द्वारा रचित है ?
(1) गिरिजाकुमार माथुर
(2) अज्ञेय
(3) रघुवीर सहाय
(4) धर्मवीर भारती

12. 'द्वंद्व' समास की परिभाषा है—
(1) जिसमें दोनों पद प्रधान हों
(2) जिसमें उत्तर पद प्रधान हो
(3) जिसमें प्रथम पद प्रधान हो
(4) जहाँ दोनों से हटकर तीसरा अर्थ निकाला जाय

---

13. 'बादल' का पर्याय है—
(1) वारिद
(2) जलीधि
(3) वारिज
(4) नीरज

---

14. 'कृतज्ञ' (स्कैन में 'कृतज्ज/कूटज' सा अस्पष्ट) का विलोम है—
(1) कृतघ्न
(2) पापी
(3) उपकृत
(4) दुष्ट

---

15. "चौराहा" का <u>तत्सम</u> है—
(1) चतुर्द्व
(2) चतुष्पथ
(3) तिराहा
(4) इनमें से कोई नहीं

---

16. 'कर्ण' का तद्भव है—
(1) कान
(2) कपाट
(3) नाक
(4) इनमें से कोई नहीं

17. जो ईश्वर में विश्वास न रखता हो, उसे कहते हैं—
(1) आस्तिक
(2) धार्मिक
(3) नास्तिक
(4) कर्मी

---

18. 'पुरोहित' का संधि-विच्छेद है—
(1) पुरः + हित
(2) पूर + हित
(3) पूर + इह
(4) इनमें से कोई नहीं

---

19. 'पतिव्रता' शब्द में विभक्ति और वचन है— (विकल्प अस्पष्ट)
(1) प्रथमा विभक्ति, एकवचन (स्त्रीलिंग)
(2) (अस्पष्ट)
(3) (अस्पष्ट)
(4) इनमें से कोई नहीं

---

20. 'पठेयं' में वचन और पुरुष है—
(1) उत्तम पुरुष, एकवचन
(2) मध्यम पुरुष, बहुवचन
(3) अन्य (प्रथम) पुरुष, द्विवचन
(4) इनमें से कोई नहीं

1A. निम्न गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

क्रोध का असर सबसे भयावह होता है। यह केवल नीति और सद्बुद्धि की बात नष्ट नहीं करता, बल्कि **बुद्धि का भी नाश कर देता है**। किसी युवा पुरुष की स्मृति यदि दूषित हो जाएगी, तो उसकी कोई भी योजना—जो वह पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर और जल्दी-जल्दी तैयार करे—उन दिनों असफल हो जाएगी। लोक-हित की ओर न जाकर, वह **निजी प्रतिहिंसा/दुराग्रह** में बदल जाएगी और यदि प्रतिहिंसा न भी हो तो वह **सस्ते ढंग से हँसा देने वाली मूर्ख वायु** के समान होगी, जो उसे निरंतर उन्नति के स्थान पर अवनति की ओर ढकेल देगी।
प्रश्न :

(i) उपर्युक्त गद्यांश का **संदर्भ** लिखिए।

(ii) गद्यांश के **रेखांकित अंश** की व्याख्या कीजिए।

(iii) **क्रोध** का क्या प्रभाव होता है ?

अथवा

1B. निम्न वैकल्पिक गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

जहाँ-जहाँ हमारे **नैतिक सिद्धान्तों** का वर्णन आया है, **अहिंसा** को उनमें **मुख्य स्थान** दिया गया है। **अहिंसा का दूसरा नाम 'क्षमा'** भी माना गया है और **क्षमा** का दूसरा रूप त्याग या संयम के रूप में हमारे सामने आता है। **यदि हमारी संस्कृति ने हमें अभिमान से ऊपर उठना और त्याग सीखाया है** तो वह **इसी नैतिक परंपरा** के कारण है ; अत: **क्षमा-भाव** को अपनाकर व्यक्ति के मन से क्रोध, द्वेष और प्रतिहिंसा हटती है, और **जीवन-आचरण** शुद्ध तथा आत्म-शासन से भर जाता है।
प्रश्न :

(i) उपर्युक्त गद्यांश का **संदर्भ** लिखिए।

(ii) **रेखांकित अंश** की व्याख्या कीजिए।

(iii) हमारे नैतिक सिद्धान्तों में **किस चीज़ को प्रमुख स्थान** दिया गया है ? **उसका दूसरा रूप** क्या है ?

2A. दिए गए पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

सुनि सुंदर बैनि मधुरास साने, सयानी हैं जानकी जानी भली।
तिरछे करि नैन दे सैंन तिन्हें, समझाइ करू मुसुकाइ चली॥
तुलसी तेहि औसर सोहें सबै, अवलोकति लोचन लालु अली।
अनुराग-तड़ागा में मानु उठे, विगसि मनो मञ्जुल कंज कलि॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश का **संदर्भ** लिखिए।

(ii) **रेखांकित** अंश की **व्याख्या** कीजिए।

(iii) उपयुक्त कविता में **कौन-सा अलंकार एवं छन्द** है ?

अथवा

2B. (अथवा) निम्न पंक्तियाँ पढ़कर उत्तर दीजिए—

चींटी को देखा ?
वह सरल, विरल काली रेखा,
तम के तागे-सी जो हिल-डुल
चलती लघु पद पल-पल मिल-जुल,
वह है पिपीलिका पाँति।
देखो ना, किस भाँति
काम करती वह सतत !

कण-कण कणक चुनती अविरत।

(i) उपयुक्त पंक्तियों का **संदर्भ** लिखिए।

(ii) **रेखांकित** अंश की **व्याख्या** कीजिए।

(iii) उपयुक्त कविता से **क्या शिक्षा** प्राप्त होती है ?

3A. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :
एषा नगरी भारतीय संस्कृते। संस्कृत भाषायाः केन्द्र–स्थानीम् अस्ति। इतः एव संस्कृत वाङ्मयस्य, संस्कृतेः आलोकः सर्वत्र प्रसृतः। मग़ध–गुजरातः, द्वार–शिखरः ; अयं भारतीय–दर्शन–शास्त्राणां अध्यात्मस्य अङ्कुरः। सः तेजसा ज्ञानेन च प्रभातितः। अम्बरात्, यत्र तेः उपनिषद्–अनुवादः पा-रसी भाषायाम् अपि कृतः।

विश्वस्य स्रष्टा ईश्वरः। एक एव इति भारतीयः संस्कृतिः मन्यते। विभिन्न मतावलम्बिनां विधिः : नगानां ; एकमेव एव ईश्वरं भजन्ति। अग्निः, इन्द्रः, कृष्णः, शिवः, रमाः, लक्ष्मीः, जगन्नाथः, शिवता–आदिः—इत्यान्ये नामानि एकस्य एव परमानन्दस्यः **सकलं**। तं एव ईश्वरम् जनाः : गुरुः इति मन्यन्ते। अतः सर्वेषां मतानां समभावः—समन्वयस्य उत्कृष्टं संस्कृतः संदेशः।

अथवा

3B. (ख) दिए गए संस्कृत श्लोकों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

किंसिद्ध प्रवसतो मित्रं, किंसिद्ध गृहमेव सतः।
आतुरस्य च किं मित्रं, किंसिद्ध मित्रं मरणेः॥

मङ्गलं मरणं यत्र विभूतिर्वर्ण भूषणम्।
कौशेयं यत्र कौशेयं काशि के नोपरायणम्॥

---

4. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उसकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए :
(i) रामचन्द्र शुक्ल
(ii) जयशंकर प्रसाद
(iii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

---

4. (ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन-परिचय देते हुए उसकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए :

(i) सूरदास
(ii) सुमित्रानन्दन पन्त
(iii) राम नरेश त्रिपाठी

---

5. दिए गए संस्कृत प्रश्नों में से किन्हीं दो का संस्कृत में उत्तर दीजिए (यहाँ सभी तीनों के उत्तर दिए जा रहे हैं):

(i) वाराणसी नगरी कुत्र स्थिताऽस्ति ?
(ii) विश्वस्य स्रष्टा कः अस्ति ?
(iii) पिता कस्मात् उच्यते ?

---

6. (क) 'हास्य' अथवा 'करुण' रस की परिभाषा लिखते हुए उसका एक उदाहरण दीजिए।

---

6. (ख) 'रूपक' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण लिखिए।

---

6. (ग) 'दोहा' अथवा 'चौपाई' छन्द के लक्षण लिखकर उसका एक उदाहरण दीजिए।

---

7. निम्नलिखित लोकोक्तियों एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ बताते हुए उसको अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(i) हाथ कंगन को आरसी क्या ?
(ii) उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे।
(iii) अधजल गगरी छलकत जाय।

---

8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए :

(i) विज्ञान: वरदान या अभिशाप
(ii) प्रदूषण समस्या : कारण और निवारण
(iii) अनुशासन का महत्त्व
(iv) मेरा प्रिय कवि